प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

किसानों को खुशहाल करने के लिए पंतनगर के वैज्ञानिकों का सहयोग मांगा जिलाधिकारी ने

पंतनगर। २० अप्रैल २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के रतन सिंह सभागार में आज ऊधमसिंह नगर जिले के जिलाधिकारी, डा. नीरज खैरवाल, ने किसानों को खुशहाल बनाने के लिए चलायी जा रही योजना 'मेरा गांव, मेरा गौरव' के क्रियान्वयन में पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का सहयोग मांगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास भी मंचासीन थे।

डा. खैरवाल ने कहा कि जिले की सभी ३९० ग्राम पंचायतों में से यदि प्रत्येक में एक किसान के यहां एकीकृत खेती के मॉडल का विकास किया जाये तो दूसरे किसानों के लिए यह प्रेरणा प्रदान करने वाला साबित हो सकता है, जो सभी किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करके उन्हें खुशहाल बनाने में सहायक होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय से इसमें सहयोग मांगा, साथ ही जिला प्रशासन के रेखीय विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाते हुए कृषि से संबंधित अन्य योजनाओं में वैज्ञानिकों से मिलकर कार्य करने की भी अपेक्षा की। जिला प्रशासन द्वारा गांवों में चलायी जा रही कृषि से इतर योजनाओं में भी वैज्ञानिकों द्वारा सुझाव दिये जाने के लिए भी उन्होंने कहा। इससे पूर्व डा. खैरवाल ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के साथ-साथ व्यक्तिगत सामाजिक दायित्व के बारे में बताते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा तथा इस संबंध में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गये विभिन्न प्रयासों एवं व्यक्तियों की जानकारी दी।

कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा ने विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रदेश के ९ जिलों में किसानों के प्रक्षेत्रों पर चलाये जा रहे परिक्षणों के साथ-साथ किसानों को दिये जा रहे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मानव संसाधन की लगभग ५० प्रतिशत कमी के बावजूद सभी कार्यक्रमों को निर्बाध रूप से चलाने का प्रयास कर रहा है तथा जिला प्रशासन द्वारा चाहे गये सहयोग के लिए भी तत्पर है। प्रो. मिश्रा ने जिला प्रशासन से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की अपेक्षा की, ताकि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम जिला प्रशासन के रेखीय विभागों के अधिकारियों की टीम के साथ मिलकर कृषि एवं किसानों की दशा को और अधिक बेहतर कर सके।

इससे पूर्व निदेशक प्रसार, डा. वाई.पी.एस. डबास, ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्रसार शिक्षा निदेशालय व कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यक्रमों की जानकारी दी, साथ ही विभिन्न शोध परियोजनाओं में किसानों को दी जा रही सुविधाओं, तकनीकों इत्यादि के बारे में भी बताया। उन्होंने डा. खैरवाल के विश्वविद्यालय में आने के प्रयोजन को भी बताया। इस कार्यक्रम में जिला स्तर के अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष और वैज्ञानिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में वैज्ञानिकों एवं जिला प्रशासन के रेखीय विभागों के अधिकारियों के समन्वयक पर चर्चा करते (बायें से दायें) कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा एवं जिलाधिकारी डा. नीरज खैरवाल।